सत्रीय कार्य

Assignment

पाठ्यक्रम – आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

Post Graduate Diploma in Disaster Management

(PGDDM)

2011–2012

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

: पता :
पाठ्यक्रम संयोजक
महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केन्द्र
गांधी हिल, वर्धा–442 001 (महाराष्ट्र)
फोन/ फैक्स नं. : 07152–247146 वेब साईटः www.hindivishwa.org

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केन्द्र

संदीप मधुकर सपकाले
सहायक प्रोफेसर

दूरभाष/Phone:+ 07152-247146
फैक्स/Fax: + 07152-247146
ई-मेल -

पत्रांक : 023/09/स.क्रा.फ़ा./31/
दिनांक :

आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
सत्रीय कार्य हेतु दिशा-निर्देश

प्रिय छात्र/छात्राओं,

सत्र 2011-12 का सत्रीय कार्य आपको भेजा जा रहा है।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य-सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्यक्रम-सामग्री की पुनर्प्रस्तुत से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आप के लिए लाभप्रद रहेगा।

1. सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कर लीजिए।
2. **अभ्यास :** उत्तर का प्रारूप लिखने से पहले नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। संदर्भ और व्याख्या वाले प्रश्न में यह अवश्य जाँच लें कि संदर्भ में कहीं बातें दिये गये अंश के अनुरूप हैं। व्याख्या में भी क्रमबद्धता, तार्किकता और स्पष्टता होनी चाहिए। व्याकरण संबंधी प्रश्नों की जिनके उत्तर एक-दो शब्दों या एक-दो पंक्ति में देने हैं वहाँ अपने उत्तर पर अच्छी तरह से विचार कर लीजिए। अगर आप बिना समझे पुस्तक या अन्य किसी स्त्रोत की सहायता से उत्तर देंगे तो इससे आपका कोई लाभ नहीं होगा और सत्रांत परीक्षा में आप ऐसे प्रश्नों का सही उत्तर नहीं दे पायेंगे। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभ में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि

(क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
(ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,
(ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा जो आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,
(घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
(ड) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हो, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतीयों से बचें।
(ढ़) सत्रीय कार्य की एक छाया-प्रति (Photocopy) विद्यार्थी अपने पास अवश्य रखें।

3. प्रस्तुति : जब आप उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए। तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हे रेखांकित कर दीजिए।
4. पाठ्यक्रम से सम्बन्धित अकादमिक सहायता के लिए smsapkale@gmail.com पर मेल भेज सकते है अथवा मो.क्र. 9823447929 पर संपर्क कर सकते है।

शुभकामनाओं सहित,

(पाठ्यक्रम संयोजक)

सत्रीय कार्य निर्धारित पते पर प्राप्ति की तिथि **30 अप्रैल 2012** है।

पता : **निदेशक, महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केन्द्र,**
पोस्ट - हिन्दी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा - 442005
महाराष्ट्र (फोन/फैक्स नं.: 07152-247146,
वेब साईटः **www.hindivishwa.org**

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा

ज्ञान शांति मैत्री

दूरस्थ शिक्षा केंद्र

सत्रीय कार्य (Assignment) - 1

कुल अंक : 30

पाठ्यक्रम कोड (MPA - 001)
प्रथम प्रश्न पत्र - प्राकृतिक आपदाओं को समझना

नोट : प्रत्येक सत्रीय कार्य को तीन भागों में बाँटा गया है। जिसमें दीर्घ, मध्यम और लघु उत्तरों की अपेक्षा है। दीर्घ उत्तर 800 से 1000 शब्दों के बीच होने चाहिए। मध्यम श्रेणी के उत्तर 300 से 500 शब्दों तक होने चाहिए। लघु श्रेणी के उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

दीर्घ उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 18

खण्ड - (अ)

1.'केटरिना हरीकेन' से अगस्त 2005 में संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई तबाही का भारत में आपदा प्रबंधन के दृष्टिकोण से क्या पाठ सीखा जा सकता है? चर्चा कीजिए।

2. विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं की उनके उद्भव के आधार पर चर्चा कीजिए।

3. भूस्खलन के प्रकार, कारण और प्रभाव की चर्चा करते हुए खतरा कम करने के उपायों की व्याख्या कीजिए।

खण्ड - (ब)

मध्यम उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 08

1. जलवायु परिवर्तन से आप क्या समझते है? स्पष्ट कीजिए।

2. शीत लहर से बचने के लिए प्रमुख उपाय क्या है?

3. हिम अवधाव में बचाव और राहत कार्य किस प्रकार किया जाता है?वर्णन कीजिए।

4. समुद्र तल में वृद्धि का मापन कैसे किया जाता है।

खण्ड - (क)

अधिकतम अंक : 04

लघु उत्तर प्रश्न

टिप्पणी लिखिए।

1. थाईलैंड बाढ़–2011

2. दिल्ली बम विस्फोट–2011

पाठ्यक्रम कोड (MPA - 002)
द्वितीय प्रश्न पत्र शीर्षक - मानव-निर्मित आपदाओं को समझना

नोट : प्रत्येक सत्रीय कार्य को तीन भागों में बाँटा गया है। जिसमें दीर्घ, मध्यम और लघु उत्तरों की अपेक्षा है। दीर्घ उत्तर 800 से 1000 शब्दों के बीच होने चाहिए। मध्यम श्रेणी के उत्तर 300 से 500 शब्दों तक होने चाहिए। लघु श्रेणी के उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

दीर्घ उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 18

खण्ड - (अ)

1. विभिन्न प्रकार की मानव–निर्मित आपदाओं का उल्लेख करते हुए आपदाओं के अनुसार अनुक्रिया के महत्वपुर्ण मुद्दो पर प्रकाश डालिए।

2. भवनों में आग लगने के विभिन्न प्रकारों की चर्चा करते हुए आपदा न्यूनीकरण के लिए सुरक्षा और रोकथाम के उपाय सुझाइए।

3. मुंबई पर हुए आंतकी हमले पर एक रिपोर्ट लिखते हुए सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन की कमियों को उजागर कीजिए।

खण्ड – (ब)

मध्यम उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 08

1. समुद्री दुर्घटनाओं से आप क्या समझते है?

2. रेल दुर्घटनाओं के कारणों,मुख्यतः मानव रहित रेल फाटक पर किस प्रकार की सावधानी बरतनी चाहिए।

3. औद्योगिक अपशिष्ठ के प्रदुषण लक्षणों की पहचान बताइए ।

4. जैविक आपदाओं का परिचय दीजिए।

खण्ड – (क)

अधिकतम अंक : 04

लघु उत्तर प्रश्न

टिप्पणी लिखिए।
1. वायु गुणवत्ता प्रबंधन
2. गंगा बचाव आंदोलन

पाठ्यक्रम कोड (MPA - 003)
तृतीय प्रश्न पत्र शीर्षक – जोखिम आकलन और संवेदनशीलता विश्लेषण

नोट : प्रत्येक सत्रीय कार्य को तीन भागों में बॉटा गया है। जिसमें दीर्घ, मध्यम और लघु उत्तरों की अपेक्षा है। दीर्घ उत्तर 800 से 1000 शब्दों के बीच होने चाहिए। मध्यम श्रेणी के उत्तर 300 से 500 शब्दों तक होने चाहिए। लघु श्रेणी के उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

दीर्घ उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 18

खण्ड – (अ)

1. प्रासंगिक आपदा की अवधारणात्मक जानकारी अेते हुए संवेदनशीलता कारकों पर चर्चा कीजिए।
2. संवेदनशीलता (VULNERABILITY) की प्रेक्षणात्मक (OBSERVATIONAL) और विश्लेषणात्मक रूपरेखा(Analytical framework) पर विस्तार पुर्वक प्रकाश डालिए।
3. आपदा प्रबंधन एवं आपदा निवारण हेतु आवश्यक योजना सोपान तथा योजना के विभिन्न पहलुओं का परिचय दीजिए।

खण्ड – (ब)

मध्यम उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 08

1. सेंवदनशीलता कम करने के लिए कौन सी सामाजिक आधारभूत संरचनाएँ हो सकती है।
2. जोखिम आकलन से क्या तात्पर्य है?चर्चा कीजिए।
3. सामाजिक जोखिम प्रंबधन (Societal Risk Mangment) का परिचय दीजिए।
4. आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लक्ष्यों का विश्लेषण कीजिए।

खण्ड – (क)

अधिकतम अंक : 04

लघु उत्तर प्रश्न
टिप्पणी लिखिए।
1. सूखा जोखिम आकलन
2. प्रवासन(MIGRATION)

पाठ्यक्रम कोड (MPA - 004)
चतुर्थ प्रश्न पत्र शीर्षक – आपदा तैयारी

नोट : प्रत्येक सत्रीय कार्य को तीन भागों में बॉटा गया है। जिसमें दीर्घ, मध्यम और लघु उत्तरों की अपेक्षा है। दीर्घ उत्तर 800 से 1000 शब्दों के बीच होने चाहिए। मध्यम श्रेणी के उत्तर 300 से 500 शब्दों तक होने चाहिए। लघु श्रेणी के उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

दीर्घ उत्तर प्रश्न — अधिकतम अंक : 18

खण्ड – (अ)

1. आपदा संबंधी तैयारी की अवधारणा एवं महत्व प्रतिपादित करते हुए आपदा तैयारी की संस्थागत कार्यप्रणाली का विश्लेषण कीजिए।
2. पशुधन पर पडने वाली आपदाओं के प्रभाव का पशुधन प्रबंधन द्वारा संबंधित आपदा उपाय का विस्तार पूर्वक विवेचन कीजिए।
3. आपदाओं से निपटने में सरकार की भूमिका क्या होती है?चर्चा कीजिए।

खण्ड –(ब)

मध्यम उत्तर प्रश्न — अधिकतम अंक : 08

1. आपदा स्थिति में मीडिया की भूमिका की चर्चा कीजिए।
2. आपातकालीन संचार क्या है?स्पष्ट कीजिए।
3. आपदा न्यूनीकरण की संकल्पना का परिचय दीजिए।
4. आपदा न्यूनीकरण में दल कार्य भूमिका पर प्रकाश डालिए।

खण्ड – (क)

अधिकतम अंक : 04

लघु उत्तर प्रश्न

टिप्पणी लिखिए।

1. नेहरू युवा केंद्र (NYK)
2. इंडियन रेड क्रास सोसायटी(IRCS)

पाठ्यक्रम कोड (MPA - 005)
पंचम प्रश्न पत्र शीर्षक – आपदा प्रतिक्रिया

नोट : प्रत्येक सत्रीय कार्य को तीन भागों में बॉटा गया है। जिसमें दीर्घ, मध्यम और लघु उत्तरों की अपेक्षा है। दीर्घ उत्तर 800 से 1000 शब्दों के बीच होने चाहिए। मध्यम श्रेणी के उत्तर 300 से 500 शब्दों तक होने चाहिए। लघु श्रेणी के उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

दीर्घ उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 18

खण्ड – (अ)

1. प्रतिक्रिया योजनाएँ (Response Plans) हमारे लिए क्यों आवश्यक है? चर्चा करते हुए अन्य अभिकरणों की भूमिका को निर्धारित कीजिए।
2. आपदाओं अथवा आपात स्थिति(DISASTERS/EMERGENCIES)का आकलन (ASSESMENT)करने की समग्र पद्धति का विवेचन करते हुए आकलनों के प्रकार बताइए।
3. अन्तरराष्ट्रीय अभिकरणों (INTERNATIONAL AGENCIES) द्वारा प्रदान की गई राहत प्रबंधन के लिए संरचना की रूपरेखाबनाते हुए राहत परिचालन(RELIEF OPERATIONS) के आवश्यकता घटकों को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड – (ब)

मध्यम उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 08

1. आपदा योजनाओं के संक्रियण सें आप क्या समझते है।
2. अंतरराष्ट्रीय खोज एवं बचाव सलाहकार समूह का परिचय दीजिए।
3. प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित गृह–मंत्राालय के आपदा प्रबंधन प्रभाग का परिचय दीजिए।
4. आपदा प्रबंधन में मानव व्यवहार की अवधारण को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड – (क)

अधिकतम अंक : 04

लघु उत्तर प्रश्न

टिप्पणी लिखिए।

1. तनाव (STRESS)
2. संत्रस्त (PANIC)

पाठ्यक्रम कोड (MPA - 006)
अष्ठम प्रश्न पत्र शीर्षक – आपदा चिकित्सा

नोट : प्रत्येक सत्रीय कार्य को तीन भागों में बॉटा गया है। जिसमें दीर्घ, मध्यम और लघु उत्तरों की अपेक्षा है। दीर्घ उत्तर 800 से 1000 शब्दों के बीच होने चाहिए। मध्यम श्रेणी के उत्तर 300 से 500 शब्दों तक होने चाहिए। लघु श्रेणी के उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

दीर्घ उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 18

खण्ड – (अ)

1. आपदा चिकित्सा का अर्थ और महत्व बताते हुए आपदा चिकित्सा के प्रमुख घटकों की चर्चा कीजिए ।
2. महामारी रोग विज्ञान का अर्थ स्पष्ट करते हुए इनकी प्रविधियों और कार्यवाहियों का विश्लेषण कीजिए।
3. आपदाओं में जनता पर पडने वाले स्वास्थ्य प्रभावों को कम करने वाली कार्यनीतियों और रोकथाम की विभिन्न कार्यवाहियों पर चर्चा कीजिए।

खण्ड – (ब)

मध्यम उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 08

1. चिकित्सा तैयारी योजना के चरणो का परिचय दीजिए।
2. साजो–सामान प्रबंधन के सिद्धान्त क्या है?स्पष्ट कीजिए।
3. दूर–दराज के क्षेत्रों की सुविधाएँ और बाधाएँ बताइए।
4. स्वास्थ्य शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम से क्या तात्पर्य है।

खण्ड – (क)

अधिकतम अंक : 04

लघु उत्तर प्रश्न

टिप्पणी लिखिए।

1. परिवहन
2. दूर संवेदी (REMOTE SENSING)

पाठ्यक्रम कोड (MPA - 007)
सत्तम् प्रश्न पत्र शीर्षक – पुननिर्माण, पुनर्वास और पुनरूत्थान

नोट : प्रत्येक सत्रीय कार्य को तीन भागों में बॉटा गया है। जिसमें दीर्घ, मध्यम और लघु उत्तरों की अपेक्षा है। दीर्घ उत्तर 800 से 1000 शब्दों के बीच होने चाहिए। मध्यम श्रेणी के उत्तर 300 से 500 शब्दों तक होने चाहिए। लघु श्रेणी के उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

दीर्घ उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 30

खण्ड – (अ)

1. पुनर्वास की प्रक्रिया को समझाते हुए आपदा पुनर्वास में नागरिक समाज की भूमिका का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।
2. आपदा प्रबंधन प्रक्रिया में समन्वय के सरकारी एवं गैर–सरकारी संगठनों की भूमिका एवं महत्व पर प्रकाश डालिए।
3. प्रतिदर्श सर्वेक्षणों के विभिन्न प्रकार बताते हुए महामारी पर्यवेक्षण की आवश्यकता पर बल दीजिए।

खण्ड – (ब)

मध्यम उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक : 08

1. दूर संवेदी तकनीक का परीचय दीजिए।
2. 'बुनियादी संरचना' के विभिन्न प्रकार एवं विकास से क्या तात्पर्य है?स्पष्ट कीजिए।
3. आजीविका की अवधारणा से आप क्या समझते है?चर्चा कीजिए।
4. आपदा रोधी दिशा–निर्देशों का वर्णन कीजिए।

खण्ड – (क)

अधिकतम अंक : 04

लघु उत्तर प्रश्न

टिप्पणी लिखिए।

1. डिस्कनेट (Role of Disknet)
2. लातुर भूकम्प

****

महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केन्द्र

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा सत्र 2010-11

Post Graduate Diploma in Disaster Management

ज्ञान शांति मैत्री

विषय : आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
Subject : PGDDM
पाठ्यक्रम : लघुशोध परियोजना कार्य
Course Title : Research and Project Work

विषय कोड : पीजीडीडीएम
Subject Code : PGDDM
पाठ्यक्रम : एम.पी.ए.पी.-001
Course Code : MPAP-001

लघुशोध परियोजना कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

लघुशोध परियोजना पाठ्यक्रम MPAP-001 लघुशोध परियोजना कार्य से जुड़ा है और इस पाठ्यक्रम के 04 क्रेडिट हैं। लघुशोध परियोजना बनाने के लिए विद्यार्थी को **आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम** पर आधारित परियोजना कार्य करना होगा। विद्यार्थी को एक उपयुक्त शोध समस्या चुन कर उस पर मूल शोध कार्य करना होता है। शोध कार्य के अंतिम परिणाम के रूप में लघुशोध परियोजना प्रस्तुत किया जाएगा। इसकी दो प्रतिलिपियाँ तैयार की जाएंगी। लघुशोध परियोजना की एक प्रतिलिपि विद्यार्थी को निदेशक महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र वर्धा को जमा करवानी होगी और दूसरी प्रतिलिपि विद्यार्थी को अपने पास रखनी होती है। लघुशोध परियोजना के सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने के बाद विद्यार्थी को 04 क्रेडिट प्राप्त हो जाते है।

यह परियोजना कार्य **आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा** कार्यक्रम में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह एक ऐसा तरीका है जिसके माध्यम से आपको **आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा** पाठ्यक्रम के संबंध में व्यवस्थित रूप से नई जानकारी मिलने में मदद मिलेगी। नए तथ्य एकत्र करने, उनकी तालिका बनाने, विश्लेषण करने और उपलब्धियों पर विचार-विमर्श करने की व्यवस्थित पद्धति है। परियोजना कार्य के अन्त में आपको परियोजना रिपोर्ट लिखनी होती है।

परियोजना कार्य हेतु दिशा निर्देश :

किसी भी शोध कार्य के लिए पहला चरण, विषय का चयन होता है। हमारी सलाह है कि आप ऐसा विषय चुनिए जिसके अपेक्षित संसाधन आपको उपलब्ध हों। शीर्षक चुनने का एक तरीका यह होगा कि आप **आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा** में पाठ्यक्रम सामग्री में दी हुई विभिन्न इकाइयों का अध्ययन करें। ये इकाइयां आपको विस्तृत विकल्प प्रदान करेंगी, जिसके आधार पर आप **आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा** से संबंधित किसी भी पहलू का अध्ययन कर सकते हैं। ऐसा विषय चुनिए जो आपकी रूचि का हो, अति महत्वकांक्षी नहीं हों।

आप विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त अध्ययन केंद्रों पर जाकर (आपके क्षेत्र में स्थित) परियोजना सुपरवाइजर से विषययानुरूप आवश्यक तकनीकी जानकारी एवं मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते है।

अंतिम चरण में आपको आवश्यक शोध विषय के सम्बन्ध में एकत्र की गयी जानकारी एवं संदर्भो का विश्लेषण विवेचन कर परियोजना कार्य को लिखित रूप में सम्पन्न कर आवश्यक निष्कर्ष तक पहुँचना है।

लघुशोध परियोजना भेजना

आपको ए-4 आकार (29x20 से.मी.) के कागज़ में कम से कम 35 पृष्ठों में डबल स्पेस में टाइप लघुशोध निबंध अच्छी प्रकार जिल्द में बांधकर, (स्पायरल या बाईडिंग कर) भेजना होगा।

आप लघुशोध परियोजना के विषय में एक भाग के रूप में इस आशय का एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करें कि किया गया कार्य मूल कार्य है और किसी भी अध्ययन पाठ्यक्रम की शर्त को पूरा करने के लिए किसी भी विश्वविद्यालय या अन्य संस्था को पहले प्रस्तुत नहीं किया गया है। घोषणा पत्र की नमूना प्रति परिशिष्ट -1 में दी गई है।

लघुशोध परियोजना में विद्यार्थी की नामांकन संख्या, कार्यक्रम, नाम और पता अवश्य होना चाहिए।

आपको लघुशोध निबंध परियोजना प्रस्ताव की एक प्रति रखनी चाहिए। विश्वविद्यालय को भेजा गया परियोजना कार्य, विद्यार्थी को लौटाया नहीं जाएगा।

यदि ऊपर बताए गए निर्देशों के बिना परियोजना कार्य प्राप्त होगा तो विद्यार्थी को कमियां पूरी करने के लिए कहा जाएगा।

परियोजना कार्य की टाइप की हुई और जिल्द बंधी (स्पायरल या बाईडिंग) हुई प्रति निम्नलिखित पते पर रजिस्टर्ड डाक से भेजी जाए। परियोजना कार्य भेजने की अंतिम तिथि **30 अप्रैल 2012** है।

(पाठ्यक्रम संयोजक)

: पता :
महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र
पोस्ट : मानस मन्दिर, गांधी हिल, उमरी,पंचटीला वर्धा–442 001 (महाराष्ट्र)
फोन / फैक्स नं. : 07152–247146 वेब साईटः **www.hindivishwa.org**